रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राओं का बढ़ाया उत्साह

सपने को पूरा करने की हिम्मत करें युवा

संबोधन

वाराणसी | निज संवाददाता

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में शनिवार को आईआईटी बीएचयू के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. जी सतीश रेड्डी।

17 विभागों के 1190 विद्यार्थियों को दी गईं उपाधियां, मुख्य अतिथि ने मेडल पाने वाले को किया सम्मानित

76 गोल्ड मेडल मिले 53 छात्र-छात्राओं को, शोध छात्रों के साथ एमटेक व एमफार्मा के छात्र भी सम्मानित

- ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में नया जोड़ने की जरूरत पर दिया बल
- आगामी सौ साल की तकनीक के लिए शोध की बताई जरूरत
- तकनीक के बल पर होती है दुनिया में देश के शक्ति की परख

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव व डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने कहा कि तकनीकी दक्ष युवा सपना देखने और उसे पूरा करने की हिम्मत दिखाएं। देश के विकास के लिए शिक्षा तथा उद्योग में समन्वय होना जरूरी है। नए आविष्कार के लिए शिक्षा जगत आइडियाज देगा, जिसपर काम कर उद्योग जगत उत्पाद बनाएगा। वह शनिवार को आईआईटी बीएचयू के सातवें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बीएचयू के स्वतंत्रता भवन सभागार में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि एक इंजीनियर के तौर पर सोच हमेशा तार्किक होनी चाहिए। 21वीं सदी में तकनीक के साथ-साथ इनोवेशन को लेकर चलने से ही देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया जोड़ने की भी जरूरत है। इसलिए तकनीक के परंपरागत सिद्धांतों में भी शोध होना चाहिए। डॉ. रेड्डी ने कहा कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है। तकनीक का विकास करने तथा उसे उत्पाद में बदलना भारत में अन्य देशों के मुकाबले सस्ता है। भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बन रही है। इसलिए अगले सौ वर्ष को देखते हुए अभी से तकनीक के विकास के लिए शोध को बढ़ावा देना होगा। इनोवेशन सेंटरों को तकनीक के आधारभूत क्षेत्र में भी काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज देश को सबसे ज्यादा तकनीक की जरूरत है। इसी के बल पर देश की शक्ति परखी जाएगी। तकनीक का निर्माण कल्पना की उड़ान से शुरू होकर उत्पाद के आधार पर खत्म होता है। कल्पना व उत्पाद के बीच की जगह को शिक्षा, उद्योग तथा सरकारें अपने उपक्रमों के माध्यम से पूरा करती हैं। शैक्षणिक संस्थान कार्यकुशलता और पद्धति की जानकारी दे सकता है, लेकिन इसे लागू कहां करना है इसका निर्णय छात्रों को स्वयं लेना होगा। दीक्षांत में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के रामपाल सिंह को प्रतिष्ठत प्रेसीडेंट अवार्ड तथा आमोद हेगड़े को ऑल राउंड परफारमेंस के लिए प्रतिष्ठित डायरेक्टर्स अवार्ड से नवाजा गया। 17 विभागों के 53 छात्र-छात्राओं को 76 गोल्ड मेडल बांटे गए। साथ ही 1191 उपाधियां प्रदान की गई। जिसमें पीएचडी 118, एमटेक एमफार्मा 215, आईआईडी आईएमडी 201 तथा 655 बीटेक बीफार्मा शामिल हैं। डॉ. रेड्डी ने छात्र-छात्राओं को मेडल और अवार्ड से सम्मानित किया। पुरस्कार वितरण की घोषणा कुलसचिव डॉ. एसपी माथुर ने की। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. पीके जैन ने संस्थान की उपलब्धियों का ब्यौरा दिया। आरंभ वैदिक मंगलाचरण, मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा बीएचयू के कुलगीत से हुआ, जबकि समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर प्रो. एएसके सिन्हा, प्रो. राजीव प्रकाश, प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. पीके मिश्रा, प्रो. आरएस सिंह, प्रो. बी. मिश्रा के साथ ही संस्थान के शिक्षक, अधिकारी, छात्र एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में शनिवार को आयोजित आईआईटी बीएचयू के सातवें दीक्षांत समारोह में मंच पर उपस्थित गोल्ड मेडल पाने वाले छात्र-छात्राएं।

दीक्षांत के हीरो

आईआईटी बीएचयू गोल्ड मेडल ऑटो चालक के बेटे को मिला

वाराणसी | निज संवाददाता

बलजिंदर कुमार

आईआईटी बीएचयू के सातवें दीक्षांत समारोह में पंजाब के ऑटो चालक नरेंद्र मोहन के बेटे बलजिंदर कुमार को आईआईटी बीएचयू का गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। बलजिंदर ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा परिचय की मोहताज नहीं होती।

आईआईटी बीएचयू के एमटेक इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बेस्ट थीसिस के लिए बलजिंदर को बनारस इंजीनियरिंग कॉलेज (बैंको) गोल्ड मेडल दिया गया। बलजिंदर को बेस्ट थीसिस के लिए नकद पुरस्कार के रूप में 25 हजार प्रदान किया गया। बलजिंदर को यह बताने में कोई झिझक या संकोच नहीं कि उनके पिता ऑटो चालक हैं। बल्कि उन्हें इस बात का गर्व था कि ऑटो चलाकर पिता ने इस लायक बनाया कि उनके बेटे ने आईआईटी बीएचयू का गोल्ड मेडल हासिल किया। पिता को आदर्श मानने वाले बलजिंदर ने कहा कि पिता की मेहतन व लगन के चलते आज इस मुकाम को हासिल किया है। वर्तमान समय में बलजिंदर सेंटगोवेन रीसर्च इंडिया में रीसर्च इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। दीक्षांत में बलजिंदर अकेले नहीं है तीन और परिवार के बच्चे भी सम्मानित हुए, जिनके परिवार की सलाना आय पांच लाख रुपये से कम है। इन विद्यार्थियों ने 7.50 सीपीआई हासिल कर पुरस्कार प्राप्त किया। इन छात्रों को इंदिरा अंताक्षरी इंडोमेंट फंड प्राइज दस हजार रुपये व मेडल से नवाजा गया। बीटेक मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग के धीरज कुमार महतो, मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग के ही रजनीश कुमार तथा मोहित गुप्ता को सम्मानित किया गया।

आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत समारोह में शनिवार को स्वतंत्रता भवन सभागार में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपस्थित शिक्षकगण।

आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत समारोह के बाद शनिवार को जश्न मनाते छात्र।

दीक्षांत समारोह से ये छात्र रहे अनुपस्थित

दीक्षांत समारोह में बायोकेमिकल इंजीनियरिंग की अनुभा जोशी, सिस्टम इंजीनियरिंग के अमिताभ कुमार सिंह, एमटेक की मनुज कुमार सिंह, मेटलर्जिकल की अनित्या शुक्ला, माइनिंग के आकाश चौरसिया तथा इंडस्ट्रियल केमेस्ट्री के नमन कात्याल शामिल नहीं हुए।

आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत समारोह के बाद शनिवार को सहेलिस्यों के साथ सेल्फी लेतीं छात्राएं।

मैनेजमेंट और शोध की तरफ युवाओं का रुझान

साझा की प्लानिंग

वाराणसी | निज संवाददाता

दीक्षांत में गोल्ड मेडल पाने वाले होनहार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए होनहारों ने एमबीए तथा पीएचडी करने की मंशा जाहिर की।

केमिकल इंजीनियरिंग से सात मेडल पाने वाले मानस सिन्हा कुछ साल नौकरी करने के बाद एमबीए करने की मंशा रखते हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से सात मेडल पाने वाले अंकुश बंसल भी दो साल नौकरी करने के बाद एमबीए करेंगे तथा कंपनी चलाने की मंशा बना रहे हैं। सिविल इंजीनियरिंग के अमन गुप्ता को विभिन्न श्रेणियों में पांच मेडल मिले हैं। यह भी कुछ साल नौकरी करने के बाद एमबीए करेंगे। मैकेनिकल इंजीनियरिंग से ठाकेर पार्थ परेश को भी पांच मेडल मिले। माइनिंग इंजीनियरिंग में सर्वाधिक तीन मेडल आकाश चौरसिया और फार्मास्यूटिकल्स इंजीनियरिंग में सर्वाधिक तीन मेडल जिल्ले अली को मिला। जबकि दो मेडल प्राप्त करने वालों में सिविल से राहुल वर्मा, मैकेनिकल के राहुल चांद, बलजिंदर कुमार बधान, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग से शुभम चैधरी और मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग से अनित्य गुप्ता रहे। इसके अलावा भावना वर्मा, शैलेन्द्र कुमार सिंह, शुभी गुप्ता, राहुल वर्मा, आकृति वर्मा, प्रियंका कुमारी, जेबी मजुमदार, सुचित पाण्डेय, कृष्णकांत दुबे, अरुण चंड, संदीप, बीके बधान, गीतम सिंह, जय सिंह, स्मृति गुप्ता, अभिनव गुप्ता, कार्तिकेय गुप्ता, अभिनव, लक्ष्य नरूला, एकके अब्बास, कार्तिक मनचंदा, असीम गोसानी, इशिता व्यास, कार्तिक आहुजा, वर्णिता वाजपेयी, आभाष शिखर, जूही सिंह, वीरेंद्र त्यागी, प्रखर डोरवार, तान्या मौर्या, अमन गुप्ता, श्रेया पाण्डेय, शुभम चौधरी, इशा अग्रवाल, राशि चंदोला, मीनल बहती, टीपी परास, सृष्टि शुक्ला, अनीता गुप्ता, स्वाति राय, धीरज कुमार महतो, मोहित गुप्ता, रजनीश कुमार थे।

रामपाल सिंह को प्रेसीडेंट, आमोद हेगड़े को प्रतिष्ठित डायरेक्टर्स मेडल

वाराणसी | निज संवाददाता

आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत समारोह के बाद चौदह मेडल पाने वाले रामपाल को दुलारती उसकी मां। साथ में उसकी बहन।

संचार एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के उपक्रम सी डॉट में रीसर्च इंजीनियर रामपाल सिंह तथा हार्डवेयर इंजीनियर आमोद हेगड़े आईआईटी बीएचयू दीक्षांत समारोह के नायक रहे। दीक्षांत समारोह में इस बार से शुरू प्रतिष्ठित प्रेसीडेंट अवार्ड के साथ ही रामपाल सिंह को इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनीयरिंग में बीटेक का गोल्ड मेडल दिया गया।

रामपाल को 9.80 सीपीआई मिला है। रामपाल को आईआईटी बीएचयू वाराणसी गोल्ड मेडल के साथ 10 गोल्ड, एक सिल्वर तथा तीन नकद पुरस्कार संग कुल 14 अवार्ड प्रदान किया गया। रामपाल को सर्वोत्तम प्रदर्शन करने पर 20 ए स्टार मिला है। इन्हें आईआईटी बीएचयू वाराणसी मेडल, लालबालक रामजी कोहिनूर मेमोरियल गोल्ड मेडल, स्वर्गीय श्री श्याम सुन्दरलाल राजदान मेमोरियल गोल्ड मेडल, स्वर्गीय नागेशचंद्र वैद्य गोल्ड मेडल, प्रो. गोपाल त्रिपाठी मेमोरियल गोल्ड मेडल, डॉ. नंदिता शाह रॉय मेमोरियल गोल्ड मेडल, आरती पाउल व प्रो. विनोद बिहारी पाउल गोल्ड मेडल, सी राजा गोपाल मेमोरियल गोल्ड मेडल, उमेश प्रताप सिंह गोल्ड मेडल, श्रीराजकिशोर कपूर सिल्वर मेडल, डॉ. एनीबेसेंट प्राइज, डॉ. ए संबाशिव राव नकद पुरस्कार एक हजार तथा डॉ. मनोरंजन सेन गुप्ता प्लेटिनम जुबली मैरिट अवार्ड एक हजार नकद प्रदान किया गया। जबकि महाराष्ट्र के रहने वाले आमोद हेगड़े को आलराउंड परफॉरमेंस के लिए प्रतिष्ठित डायरेक्टर्स अवार्ड प्रदान किया गया। डायरेक्टर मेडल उस होनहार को प्रदान किया जाता है जो पढ़ाई के साथ ही खेल व सामाजिक कार्य में अव्वल होता है। महाराष्ट्र के रहने वाले हेगड़े प्रतिभा के धनी हैं। सामाजिक कार्यों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं। बीटेक स्तर पर शैक्षणिक के साथ ही खेल व सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ठ प्रर्दशन व संगठनात्मक नेतृत्व क्षमता के लिए डायरेक्टर्स स्वर्ण पदक दिया जाता है। आमोद ने बीटेक में 9.39 सीपीआई प्राप्त किया। संस्थान के वॉलीबाल टीम के कप्तान भी रहे।

रामपाल की मां ने चूम लिया

वाराणसी। बलिया निवासी और आईआईटी बीएचयू में सर्वाधिक गोल्ड मेडल पाने वाले रामपाल सिंह को 11 मेडल व तीन नकद पुरस्कार मिले हैं। दीक्षांत में सर्वाधिक मेडल से नवाजे जाने पर रामपाल की मां सुधा सिंह ने अपने लाडले का माथा चूम लिया। रामपाल के पिता रामाशीष सिंह वेटनरी के संयुक्त निदेशक पद पर कार्यरत हैं। रामपाल सिंह के सभी चार भाई मेधावी हैं। सबसे बड़े रामकुमार सिंह बलिया के एससी कॉलेज में प्रोफेसर हैं। दूसरे नंबर के भाई रामप्रताप सिंह चेन्नई में सेंट गोविन्द सेन्टर में रिसर्च इंजीनियर हैं। तीसरे नंबर के भाई रामप्रकाश सिंह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सांइस बेंगलुरु में पीएचडी कर रहे हैं।

रोज दो घंटे की पढ़ाई

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के टॉपरों ने कहा कि बीएचयू कैंपस में प्रतिभा निखारने के सभी संसाधन मौजूद हैं। रामपाल सिंह ने कहा कि आईआईटी के क्लास को अटेंड किया और रोजाना महज दो घंटे की पढ़ाई की। आमोद हेगड़े ने बताया कि शिक्षा, संगीत, नृत्य तथा कला अथवा विज्ञान व खेल के क्षेत्र में विकास करने के सभी संसाधन बीएचयू में है। आमोद ने कहा कि महामना की बगिया ऊर्जावान है। यह जीवन के सही मायने सिखाती है। टॉपर बनने के लिए घंटो पढ़ाई करना जरूरी नहीं।

तकनीक के साथ-साथ इनोवेशन को लेकर चलने से ही देश में प्रगति होगी, महामना का कैंपस देख अभिभूत हुए रक्षा अनुसंधान के सचिव डॉ. जी सतीश रेड्डी

आईआईटी बीएचयू में डिफेंस का एक्सीलेंस सेंटर

तैयारी

वाराणसी | आनंद मिश्र

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के चेयरमैन डॉ. जी सतीश रेड्डी ने कहा कि टेक्नोलॉजी में आगे बढ़ने के लिए इनोवेशन जरूरी है। इस लिए आईआईटी बीएचयू में डिफेंस का एक्सीलेंस सेटर खोलने पर विचार चल रहा है। शिक्षा जगत अपने आइडियाज से रक्षा क्षेत्र में नवीन तकनीक के विकास में मदद करेगा, जबकि एक्सीलेंस सेंटर उस विचार व कल्पना को मूर्त रूप देगा। तकनीक के साथ-साथ इनोवेशन को लेकर चलने से ही देश में प्रगति होगी।

आईआईटी बीएचयू इस क्षेत्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान करे जिससे हमें आयातित तकनीकी पर निर्भर न होना पड़े। स्टार्टअप कार्यक्रम में हम तकनीकी विकास से भी मदद करने में सक्षम हैं। संस्थान से जब विश्व स्तर के रिसर्च पेपर तथा स्टार्टअप निकलेंगे तभी देश का और समाज का भला होगा। संस्थान को साइबर टेक्नोलॉजी और क्वांटम टेक्नोलॉजी पर भी अधिक काम करना चाहिए। यहां से निकलने वाले मेधावी अपनी क्षमता, रिसर्च और टेक्नोलॉजी का प्रयोग देश को आगे ले जाने में करेंगे तब योग्यता की असली उपयोगिता होगी। संस्थान की स्टार्ट अप संस्कृति को तेजी से आगे लाना होगा। जिससे ज्यादा से ज्यादा तकनीकी आधारित उत्पाद बनाए जा सकें और मेक इन इंडिया का सपना पूरा किया जा सके। आईआईटी बीएचयू उत्तर प्रदेश सरकार की डिफेंस कॉरीडोर में नालेज पार्टनर है। यह मौका है जब डीआरडीओ और आईआईटी बीएचयू साथ मिलकर प्रदेश में रक्षा आधारित ज्यादा से ज्यादा उद्योग सृजित कर सकेंगे। डीआरडीओ ने कई क्षेत्रों में अपना स्थाना बनाया है। अग्नि 5, ब्रह्मोस, आकाश आदि बनाकर दबदबा कायम किया। विक्रांत जैसे टैंक और हल्के वजन के एयर क्राफ्ट बना कर नए आयाम स्थापित किए हैं।

महामना की बगिया देख हुए अभीभूत : महामना की बगिया में पहली बार प्रवेश करने की अनुभूति बायां करते हुए डॉ. रेड्डी ने कहा कि सुबह जब मैं इस परिसर में प्रवेश कर रहा था तो मैं एकदम भिन्न मनः स्थिति में था। मैं सोच रहा था कि यह वही परिसर है जिसकी स्थापना महामना पंडित मदन मोहन मालवीय ने किया है। जहां से निकलने वाले मेधावियों ने भारत को विभिन्न क्षेत्रों में उत्थान पथ पर ले जाने में सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि है कि मैं संस्थान के शताब्दी वर्ष में बतौर मुख्य अतिथि आया। यह मेरा सौभाग्य है।

आईआईटी बीएचयू के सातवें दीक्षांत समारोह से पहले शनिवार को स्वतंत्रता भवन में महामना की प्रतिमा के समक्ष नमन करते मुख्यअतिथि।

झलकियां

1 पैर छुकर गुरुजनों का लिया आशीर्वाद

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बीएचयू के सातवें दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं ने परम्परागत भारतीय परिधान में उपाधियां ग्रहण कीं। शनिवार को कैंपस में मेले सरीखा माहौल दिखा तो छात्र-छात्राओं ने भारतीय संस्कृति का परिचय गुरुजनों का पैर छुकर दिया। लड़कियां क्रीम कलर की सलवार सूट व साड़ी धारण किए हुए थीं तो लड़के पैजामा कुर्ता व जैकेट संग अंगवस्त्रम।

2 मंच पर पीड़ा बयां करने पहुंचा छात्र

आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत समारोह के समापन होने के तुरंत बाद आईडीडी इंजीनियरिंग का छात्र पृथ्वी राज चौहान मंच पर पहुंच गया। मंच संचालन कर रहे शिक्षक से माइक मांगने लगा। शिक्षकों ने छात्र की मंशा भांप ली और उसे बाद में बात करने को कहा। छात्र ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आईआईटी में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। कक्षाओं का संचालन भी ठीक से नहीं होता।

3 मेडल संग ली सेल्फी, मंदिर में नवाया शीश

आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत के उपरांत विश्वनाथ मंदिर में भी तकनीकी तौर पर दक्ष युवाओं की भीड़ उमड़ी। मंदिर के सामने की दुकानों पर पार्टी चली तो गोल्ड मेडल संग सेल्फी लेने की होढ़ लगी थी। तकनीकी तौर पर दक्ष युवाओं ने महादेव के चरणों में शीश नवाया तथा प्रसाद भी चढ़ाया। कई छात्र-छात्राओं के परिजन भी इस मौके पर उपस्थित थे। कई छात्र-छात्राएं सोशल मीडिया पर भी तस्वीरें शेयर कर रहे थे।